



5 August, 2023

## अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023

**संदर्भ:** लोकसभा ने अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी है।

- अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक 2023 का उद्देश्य अंतर-सेवा संगठनों (आईएसओ) के कमांडर-इन-चीफ और ऑफिसर-इन-कमांड को कार्मिक अनुशासन और प्रशासन पर अधिकार प्रदान करना है।

### बिल की मुख्य विशेषताएं

- ' अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक 2023 नियमित सेना, नौसेना, वायु सेना और अंतर-सेवा संगठनों में अन्य निर्दिष्ट बलों को शामिल करता है।
- अंतर-सेवा संगठनों में कमांडर-इन-चीफ, ऑफिसर-इन-कमांड और अधिकृत अधिकारियों को सेवा की परवाह किए बिना अनुशासनात्मक/प्रशासनिक शक्तियां प्रदान करता है।
- कमांडर-इन-चीफ/ऑफिसर-इन-कमांड एक जनरल/फ्लैग/एयर ऑफिसर होता है जो अंतर-सेवा संगठन का नेतृत्व करता है।
- उनकी अनुपस्थिति में, कार्यवाहक या नामित अधिकारी आदेश दे सकते हैं और अनुशासनात्मक/प्रशासनिक कार्यवाई शुरू कर सकते हैं।
- किसी अंतर-सेवा संगठन के कमांडिंग ऑफिसर भी अपनी कमान के तहत कर्मियों के लिए समान कार्यवाई कर सकते हैं।
- बिल के तहत केंद्र सरकार अंतर-सेवा संगठनों की स्थापना कर सकती है।

### लाभ

- **अनुशासन को बढ़ावा:** अंतर-सेवा प्रतिष्ठानों में प्रभावी अनुशासन रखरखाव के लिए आईएसओ प्रमुखों को सशक्त बनाता है।
- **दक्षता:** अनुशासित कर्मियों को मूल सेवा इकाइयों में वापस भेजने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- **त्वरित समाधान:** अनुशासनहीनता के मामलों से निपटने में तेजी लाता है।
- **लागत और समय की बचत:** कई कार्यवाहियों को रोकता है, सार्वजनिक संसाधनों की बचत करता है।
- **एकीकरण:** तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और एकीकरण को बढ़ावा देता है।
- **संयुक्त संरचनाओं के लिए फाउंडेशन:** भविष्य की संयुक्त संरचनाओं के लिए आधार तैयार करता है।
- **उन्नत कार्यप्रणाली:** सशस्त्र बलों के समग्र प्रदर्शन को बढ़ाता है।

## CHD1L जीन

**संदर्भ:** एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि अफ्रीकी विरासत के व्यक्तियों में CHD1L जीन भिन्नता हो सकती है, जो संभावित रूप से मानव इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) को नियंत्रित करती है।

- CHD1L जीन एचआईवी से लड़ने में आशाजनक है, यह अफ्रीकी संस्करण वायरल लोड को कम करता है।
- वैश्विक एचआईवी-1 प्रभाव 2005 से एंटीरिट्रोवाइरल प्रगति के बावजूद बना हुआ है।
- CHD1L वैरिएंट कम वायरल लोड से जुड़ा है, जिससे ट्रांसमिशन जोखिम और रोग की प्रगति दोनों को लाभ होता है।
- 4% से 13% अफ्रीकी व्यक्तियों में यह लाभकारी संस्करण हो सकता है।
- प्रयोगों से पता चला है कि मैक्रोफेज में CHD1L जीन गतिविधि एचआईवी प्रतिकृति को रोकती है।
- मैक्रोफेज वायरस के व्यवहार में अप्रत्याशित भूमिका निभाते हैं।

### जीन के बारे में

- CHD1L जीन क्रोमोसोम 10 पर डीएनए बाइंडिंग प्रोटीन 1 को एनकोड करता है, जो जीन अभिव्यक्ति और डीएनए की मरम्मत के लिए महत्वपूर्ण है।
- यह क्रोमैटिन संरचना को प्रभावित करता है, डीएनए प्रतिकृति, प्रतिलेखन और मरम्मत में सहायता करता है।
- CHD1L डीएनए की मरम्मत प्रक्रियाओं, उत्परिवर्तन को रोकने और जीनोमिक स्थिरता बनाए रखने में योगदान देता है।
- CHD1L में भिन्नता डीएनए की मरम्मत को बाधित कर सकती है, जिससे आनुवंशिक विकारों और कार्सिनोजेनेसिस का खतरा बढ़ सकता है।
- अन्य कारकों के साथ परस्पर क्रिया जटिल सेलुलर प्रक्रियाओं में CHD1L को महत्वपूर्ण बनाती है।
- अनुसंधान एपिजेनेटिक्स, क्रोमैटिन रिमॉडलिंग और अन्य अणुओं के साथ बातचीत में सीएचडी1एल की भूमिका का पता लगाता है।
- सीएचडी1एल डीएनए क्षति-संबंधी स्थितियों को संबोधित करने वाले उपचारों के लिए एक संभावित लक्ष्य है।
- जीनोम-व्यापी विश्लेषण से सीएचडी1एल के अभिव्यक्ति पैटर्न, एलील विविधताएं और नियामक क्षेत्रों का पता चलता है।
- CHD1L अनुसंधान डीएनए रखरखाव, जीनोम स्थिरता और स्वास्थ्य और बीमारी पर उनके प्रभाव की समझ को गहरा करता है।

## स्पाइक नॉन लाइन ऑफ साइट (एनएलओएस) एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम)

**संदर्भ:** इज़राइल की स्पाइक नॉन लाइन ऑफ साइट (एनएलओएस) एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलें भारतीय वायु सेना को सौंप दी गई हैं।

- स्पाइक नॉन लाइन ऑफ साइट (एनएलओएस) संस्करण, इज़राइल की स्पाइक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का एक विस्तारित-रेंज संस्करण, 25 किमी (16 मील) तक की सीमा रखता है।

## Face to Face Centres





**5 August, 2023**

- योम किप्पुर युद्ध की अंतर्दृष्टि के बाद विकसित, यह एक सटीक सामरिक जमीन से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल की आवश्यकता को संबोधित करता है।
- लगभग 70 किलोग्राम (150 पाउंड) के अपने बड़े आकार की एनएलओएस को ग्राउंड लॉन्चर और हेलीकॉप्टर दोनों से तैनात किया जा सकता है।
- निर्माता राफेल विशिष्ट परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मिसाइल की खोजकर्ता और वारहेड क्षमताओं को बढ़ा रहा है।
- 2022 में अनावरण किया गया 6वीं पीढ़ी का स्पाइक एनएलओएस संस्करण, 50 किमी (31 मील) रेंज, सैल्वो लॉन्चिंग क्षमता, लक्ष्यों को प्राथमिकता देने के लिए लक्ष्य छवि अधिग्रहण और रणनीतिक यूएवी पर उपयोग के लिए अनुकूलनशीलता का दावा करता है।

## भारत में एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम

- **नाग मिसाइल प्रणाली:** 4 किमी तक की मारक क्षमता वाली स्वदेशी दागो और भूल जाओ एटीजीएम है, इसे जमीन और हवाई प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है।
- **स्पाइक एटीजीएम:** इजराइल से प्राप्त, इस मिसाइल प्रणाली में 25 किमी तक की रेंज वाला स्पाइक एनएलओएस संस्करण शामिल है।
- **मिलान एटीजीएम:** भारतीय सेना के साथ सेवा में एक फ्रांसीसी-डिजाइन किया गया एटीजीएम, जो कई किलोमीटर की दूरी पर बख्तरबंद लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है।
- **कॉर्कर्स-एम:** भारतीय सेना द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक रूसी मूल का एटीजीएम, जो लगभग 4 किमी की रेंज प्रदान करता है।
- **हेलिना:** भारत द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित एक हेलीकॉप्टर-लॉन्च एटीजीएम, जो विस्तारित दूरी पर बख्तरबंद लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है।
- **सैंट:** विमान के लिए डिजाइन किया गया एक स्वदेशी स्टैंडऑफ एटीजीएम, वर्तमान में विकास के अधीन है।

## इजराइल से अन्य रक्षा आयात

Category	Weapon Designation	Description
Aircrafts	Heron UAV	Unmanned Aerial Vehicle
	Searcher UAV	Unmanned Aerial Vehicle
Air Defence Systems	SPYDER SAM system	Surface-to-Air Missile
	BARAK-LR SAM system	Surface-to-Air Missile
Missiles	BARAK-8 SAM	Surface-to-Air Missile
	Derby BVRAAM	Beyond Visual Range Missile
	Python-5 BVRAAM	Beyond Visual Range Missile
	SPICE-2000 Guided Bomb	Guided Bomb
	Griffin Guided Bomb	Guided Bomb
	Harop Loitering Ammo	Loitering Ammunition
	Crystal Maze ASM	Air-to-Surface Missile
	Barak-1 SAM	Surface-to-Air Missile

## विशेषाधिकार प्रस्ताव

**संदर्भ:** राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राघव चड्ढा और डेरेक ओ'ब्रायन के खिलाफ शिकायतों पर विचार के लिए विशेषाधिकार समिति को निर्देश दिया है।

- राज्यसभा सभापति ने मामले को विशेषाधिकार समिति को सौंपने के लिए नियम 203 का इस्तेमाल किया है।
- गुरुवार रात राज्यसभा सचिवालय द्वारा एक बुलेटिन में निर्णय की घोषणा की गई।
- नियम 203 अध्यक्ष को जांच और रिपोर्ट के लिए विशेषाधिकार के प्रश्न समिति को भेजने की अनुमति देता है।

## प्रस्ताव किस बारे में है?

- संसदीय विशेषाधिकार सांसदों को प्रभावी संसद कामकाज के लिए कुछ अधिकार प्रदान करता है।
- इन अधिकारों में कानूनी परिणामों के बिना बहस के दौरान स्वतंत्र अभिव्यक्ति शामिल है।
- इसकी कोई विस्तृत सूची नहीं है, लेकिन मुक्त भाषण प्रतिरक्षा शामिल है।
- विशेषाधिकार के उल्लंघन से किसी भी सदस्य द्वारा प्रस्ताव उठाया जा सकता है।
- अध्यक्ष इसे स्वीकार कर सकता है और इसे विशेषाधिकार समिति को भेज सकता है।
- समिति में 10 सदस्य होते हैं, जिसका नेतृत्व राज्यसभा सभापति द्वारा चुना गया अध्यक्ष करता है।
- **विशेषाधिकार का प्रश्न उठाने की दो शर्तें:**
  - **विशिष्ट मामला:** प्रश्न किसी विशेष और हाल की घटना से संबंधित होना चाहिए।
  - **परिषद का हस्तक्षेप:** इस मामले में संसद की परिषद या विधानसभा के हस्तक्षेप की आवश्यकता होनी चाहिए।
- लोकसभा अध्यक्ष के अधिकार के साथ, समान प्रावधानों का पालन करती है।
- स्पीकर/आरएस चेयरपर्सन विशेषाधिकार प्रस्ताव के लिए जांच का पहला स्तर है। वह निर्णय ले सकते हैं या संसद की विशेषाधिकार समिति को संदर्भित कर सकते हैं।

## संसदीय विशेषाधिकार

- संसदीय विशेषाधिकारों में वे अधिकार और उन्मुक्तियाँ शामिल हैं जो संसद और उसके सदस्यों को अपने संवैधानिक कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम बनाती हैं। ये विशेषाधिकार उनके कामकाज और सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं।

## Face to Face Centres





➤ **संवैधानिक विशेषाधिकार**

- अनुच्छेद 105 - संसद, उसके सदस्यों और समितियों की शक्तियों, विशेषाधिकारों आदि से संबंधित है।
- अनुच्छेद 194 - राज्यों में विधायिका के सदस्यों, उनके सदस्यों और समितियों के विशेषाधिकारों और शक्तियों की रक्षा करता है।

**विशेषाधिकार समिति**

- विशेषाधिकार समिति संसद के दोनों सदनों में मौजूद है।
- यह अर्ध-न्यायिक भूमिकाओं वाली एक स्थायी समिति के रूप में कार्य करती है।
- इसका प्राथमिक कार्य सदन और सदस्य विशेषाधिकारों के उल्लंघन की जांच करना है।
- लोकसभा की समिति में 15 सदस्य होते हैं, जबकि राज्यसभा की समिति में 10 सदस्य होते हैं।
- समिति के नेतृत्व में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति शामिल हैं।
- सदस्य सभापति/अध्यक्ष की अनुमति से विशेषाधिकार हनन के प्रश्न उठा सकते हैं।
- स्वीकार्यता की शर्तों में हाल के विशिष्ट मामले शामिल हैं जिनमें परिषद के हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

## NEWS IN BETWEEN THE LINES

### काली मिर्च का व्यापार



**संदर्भ:** काली मिर्च, जिसे "मसालों के राजा" के रूप में जाना जाता है, का प्राचीन काल से ही इसके स्वाद, सीमित उपलब्धता और अलौकिक उत्पत्ति के लिए विश्व स्तर पर व्यापार किया जाता रहा है।  
**उत्पत्ति और दुर्लभता:** काली मिर्च का उत्पादन मुख्य रूप से दक्षिण पश्चिम भारत में मालाबार तट पर किया जाता है। इसकी कमी और विदेशी प्रकृति ने इसे एक विलासिता की वस्तु बना दिया, जिसकी विभिन्न सभ्यताओं द्वारा मांग की गई।  
**व्यापार मार्ग:** प्राचीन व्यापार मार्ग भारत को एशिया और उत्तरी अफ्रीका के अन्य भागों से जोड़ते थे। पेरीप्लस मैरिस एरिथ्रेई ने रोम और मुजिरिस (एक प्राचीन भारतीय बंदरगाह) के बीच व्यापार का दस्तावेजीकरण किया था।  
**मुद्रा के रूप में काली मिर्च:** काली मिर्च के मूल्य के कारण विभिन्न संस्कृतियों में इसका मुद्रा के रूप में उपयोग होता था। इसे करों के रूप में एकत्र किया जाता था, किराए के लिए उपयोग किया जाता था और अन्य वस्तुओं के बदले विनिमय किया जाता था, जो इसके आर्थिक महत्व को दर्शाता है।  
**औपनिवेशिक उद्यमों में भूमिका:** काली मिर्च के लिए भारत तक सीधे समुद्री मार्ग की खोज ने कोलंबस की अमेरिका यात्रा और वास्को डी गामा को केप ऑफ गुड होप मार्ग की खोज के लिए प्रेरित किया।  
**यूरोपीय प्रभुत्व:** पुर्तगाली, डच और अंग्रेजों सहित विभिन्न यूरोपीय शक्तियों ने काली मिर्च उत्पादक क्षेत्रों और व्यापार मार्गों पर औपनिवेशिक प्रभुत्व स्थापित किया।

### विशाल व्हेल



**विशाल व्हेल:** वैज्ञानिक नाम- पेरुसेटस कोलोसस  
**वर्गीकरण:** "पेरुसेटस कोलोसस" को विलुप्त बेलीन व्हेल परिवार "सीटोथेरिडे" के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। यह परिवार उपवर्ग "मिस्टिकेटी" से संबंधित है, जिसमें ब्लू व्हेल और हंपबैक व्हेल जैसी समकालीन फिल्टर-फीडिंग व्हेल शामिल हैं।  
**खोज:** पेरू के इका रेगिस्तान में पाए गए विशाल व्हेल जीवाश्म की खोज एक दशक पहले लीमा में सैन मार्कोस विश्वविद्यालय के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के मारियो अर्बिना ने की थी।  
**प्राचीन युग:** ये जीवाश्म 39 मिलियन वर्ष पुराने हैं, जो अतीत के प्राचीन समुद्री जीवन के बारे में बताते हैं।  
**आकार और वजन का अनुमान:** इन जीवाश्मों का साक्ष्य के आधार पर वजन 85 से 340 मीट्रिक टन के बीच होने का अनुमान है, जो आधुनिक ब्लू व्हेल (लगभग 180 मीट्रिक टन) से कहीं अधिक है।  
**आधुनिक ब्लू व्हेल से अंतर:** ये छोटा शरीर (66 फीट) वाले थे लेकिन घनी हड्डियों के कारण भारी होते थे और उथले तटीय पानी के लिए अनुकूलित थे।  
**जीवाश्म विज्ञान में महत्व:** विशाल व्हेल की खोज प्राचीन समुद्री जीवन के ज्ञान को समृद्ध करती है, व्हेल के विकास, अनुकूलन और पिछले पारिस्थितिक तंत्र को समझने में सहायता करती है, जिससे आधुनिक समुद्री अध्ययन और संरक्षण की जानकारी मिलती है।

### मानस टाइगर रिजर्व



**मानस टाइगर रिजर्व के बारे में:**

- मानस टाइगर रिजर्व भारत के असम में स्थित एक संरक्षित क्षेत्र और वन्यजीव अभयारण्य है।
- इसे 1905 में एक आरक्षित वन के रूप में प्रस्तावित किया गया, 1928 में एक वन्यजीव अभयारण्य और 1990 में एक राष्ट्रीय उद्यान नामित किया गया।
- इसे 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत भारत के पहले टाइगर रिजर्व में शामिल किया गया था।
- इसके असाधारण संरक्षण मूल्य के लिए इसे 1985 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल (प्राकृतिक) के रूप में सम्मानित किया गया।
- इसे 1989 में बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया गया था, जो एक बड़े क्षेत्र को कवर करता था।
- यह भारतीय गैंडा विज्ञान 2020 का हिस्सा है और इसमें 2006 में एक सींग वाले गैंडे को सफलतापूर्वक पुनः संरक्षित किया गया।

**राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए):**

- इसका गठन टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के आधार पर दिसंबर 2005 में किया गया था।
- यह प्रोजेक्ट टाइगर योजना और बाघ संरक्षण प्रयासों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करता है।
- यह बाघ संरक्षण के लिए मानक, दिशानिर्देश निर्धारित करता है, बाघ अभयारण्यों का समर्थन करता है और पर्यावरण-विकास और लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।



<p><b>कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण</b></p> 	<p><b>कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण:</b> कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित कावेरी प्रबंधन योजना के आधार पर स्थापित एक नियामक निकाय है। <b>गठन:</b> कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण की स्थापना सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित कावेरी प्रबंधन योजना के आधार पर की गई थी। <b>उद्देश्य:</b> इसका मुख्य उद्देश्य कावेरी नदी के जल के भंडारण, वितरण, विनियमन और नियंत्रण से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के कार्यान्वयन और अनुपालन को सुनिश्चित करना है। <b>कार्य:</b> यह सुनिश्चित करता है कि कावेरी नदी जल के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों और निर्देशों का पालन किया जाए। <b>कावेरी नदी:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ इसे 'पोन्नी' भी कहा जाता है, जिसे दक्षिण की गंगा भी कहा जाता है।</li> <li>➤ यह कर्नाटक से निकलती है, तमिलनाडु से बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है।</li> <li>➤ इसकी सहायक नदियाँ: अर्कावती, हेमावती, काबिनी, आदि हैं।</li> </ul>
<p><b>रिंग नेबुला</b></p> 	<p><b>रिंग नेबुला क्या है?</b> रिंग नेबुला एक यह एक ग्रहीय निहारिका है जो एक तारे की मृत्यु के पश्चात बनती है, वास्तव में नेबुला धूल, हाइड्रोजन, हीलियम और अन्य आयनित गैसों का एक अंतरतारकीय बादल है जो अपनी आकर्षक उपस्थिति के लिए जानी जाती है। <b>जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप:</b> रिंग नेबुला की छवियों को जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) द्वारा कैप्चर किया गया था। <b>उत्पत्ति:</b> रिंग नेबुला का निर्माण एक मरते हुए तारे की बाहरी परतों से हुआ था। जैसे ही तारा अपने जीवन के अंत के करीब पहुंचता है, वह अपनी बाहरी परतों को त्याग देता है, जिससे विशिष्ट निहारिका का निर्माण होता है। <b>प्राचीन प्रकाश:</b> आज हम रिंग नेबुला से जो प्रकाश देखते हैं वह वास्तव में हजारों साल पहले नेबुला से निकला था। <b>दूरी:</b> यह पृथ्वी से लगभग 2,600 प्रकाश वर्ष दूर है। <b>खोज:</b> रिंग नेबुला की खोज 1779 में फ्रांसीसी खगोलशास्त्री एंटोनी डार्कियर डी पेलोपोइक्स ने की थी। <b>उत्सर्जन स्पेक्ट्रम:</b> निहारिका के विशिष्ट रंग हाइड्रोजन और हीलियम जैसी आयनित गैसों की उपस्थिति के कारण होते हैं, जो विशिष्ट तरंग दैर्घ्य का प्रकाश उत्सर्जित करते हैं।</p>
<p><b>समाचारों में स्थान</b></p> <p><b>नोवोरोसिस्क बंदरगाह</b></p>	<p>एक मानव रहित यूक्रेनी समुद्री ड्रोन नोवोरोसिस्क बंदरगाह पर एक रूसी नौसैनिक जहाज से टकरा गया। <b>राजनीतिक सीमाएँ:</b> नोवोरोसिस्क एक प्रमुख बंदरगाह शहर है जो रूस के क्रास्नोडार क्राय में काला सागर के उत्तरपूर्वी तट पर स्थित है। <b>महत्व:</b> नोवोरोसिस्क रूस और काला सागर क्षेत्र के सबसे बड़े और व्यस्ततम बंदरगाहों में से एक है, जो व्यापार और परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। <b>व्यापार केंद्र:</b> बंदरगाह तेल और तेल उत्पाद, कोयला, लौह अयस्क, अनाज और कंटेनर सहित विभिन्न प्रकार के सामानों का प्रबन्धन करता है। <b>तेल निर्यात:</b> नोवोरोसिस्क रूस के तेल निर्यात का एक प्रमुख निर्गम द्वार है। यह पाइपलाइनों के माध्यम से कैस्पियन सागर और साइबेरिया जैसे प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जो इसे ऊर्जा व्यापार के लिए महत्वपूर्ण बनाता है। <b>अंतर्राष्ट्रीय व्यापार:</b> नोवोरोसिस्क के व्यापार संपर्क रूस के अतिरिक्त काला सागर क्षेत्र, यूरोप आदि के विभिन्न तक विस्तृत हैं।</p> 

## POINTS TO PONDER

- ❖ डरबन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2023 में 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' का पुरस्कार किसने जीता? -मनोज वाजपेयी
- ❖ बेंगलुरु में कृषि पद्धतियों के विकास के लिए कौन सा विश्वविद्यालय अपने परिसर में अपनी तरह का पहला संग्रहालय खोल रहा है? - कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
- ❖ भारत सरकार ने किस राज्य में खरीफ़ सीज़न से पायलट आधार पर डिजिटल फसल सर्वेक्षण शुरू किया है? - मध्य प्रदेश
- ❖ जमीनी स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए किस संगठन ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए? - सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी
- ❖ भारत सरकार ने कैसिनो और ऑनलाइन गेमिंग पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर लागू कर दी है, जिसके 1 अक्टूबर से लागू होने की उम्मीद है। यह GST दर कितनी है? - 28%

